प्रेपक

अर्जुन सिंह समुद्धार सचिव उत्तराचल शासन

सेवामे

मुख्य महाप्रबन्धक उत्तरांचल जलसंस्थान देहरादून।

पेयजंल अनुमाग

देहरादून दिनांक 29 मार्च 2004

विषय- उत्तराचंल जल संस्थान को वर्ष 2003-04 में राज्य सेक्टर के अन्तर्गत अवशेष विपुत देयकों के भुगतान की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

जुर्युक्त विषयक उत्तराचल जल संस्थान कार्यालय के पत्रांक 5379/वि०अनु०—विद्युत/2003—04, दिनांक 29 03 2004 के सन्दर्भ में गुड़ो कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराचंल जल संस्थान के पेयज़ल उत्पादन से सम्बन्धित अवशंष विद्युत देयका के भुगतान हेतु रूठ 113.90 लाख (रूठ एक करोड़ तेरह लाख नब्बे हजार मात्र) जिसमें से रूठ 1000 संगत मद से एवं रूठ 113.89 लाख सलग्न बी०एम—15 के अनुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से पुनीविनियोजन द्वारा इस प्रकार कुल रूठ 1,13,90,000 (रूठ एक करोड़ तेरह लाख नब्बे हजार मात्र)की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2 स्वीकृत की जा रही राशि के सापेस अवशेष विद्युत बिलो जो रिकन्साइल्ड हों तथा जिसमें

विगत वर्षों का सरचार्ज या ब्याज शामिल न हो, का मुगतान किया जायेगा।

3 स्वीकृत धनराशि मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराचल जल संस्थान के हस्ताझर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताझरित बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके इसी वित्तीय वर्ष में आहरित की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को तुरन्त उपलब्ध करायी जायेगी।

स्वीकृत की जा रही घनराशि के मुगतान के बाद उसकी सूचना शासन को उपलब्ध करा

दी जायेगी।

व्यय उसी मद में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।

8 इस सम्बंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2003-04 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-13 के लेखाशीर्षक-2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति -आयोजनागत- 101-शहरी जलपूर्ति कार्यकम -05-नगरीय पेयजल-04-अवशेष विद्युत देयको का उत्तराचल विद्युत निगम को मुगतान हेतु अनुदान संख्या-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे डाला जायेगा।

5 यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 3564/वित्त अनु0-2/ 2004, दिनांक

29 मार्च, 2004 में प्राप्त चनकी सहमति से जारी किए जा रहे है।

संलग्नक— <u>यथोक्त</u>

भवदीय अर्जुन सिंह) संयुक्त सचिव

संख्या⊢ 799(1) / नौ-2-/ 2004, तद दिनांक

प्रतिलिपि— निम्नलिखित को सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1-	महालेखाकार,उत्तारांचल देहरादून ।
2-	ि जिलाधिकारी,देहरादून।
3-	वरिष्ठ कोषाधिकारी,देहराद्न।
4-	आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौडी।
5-	प्रबन्धं निदेशक,उत्तराचल पैयजल निगम,देहरादन।
6-	निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री / मा०पेयजल मंत्री
7-	वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ/ वित्त बजट सैल
8- /	निदेशक सूचना एव लोक सन्पर्क निदेशालय
9-/	निदेशक एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून ।
10	अपर सचिव वित्त(श्री के०सी०मिश्र)उत्तराचंल शासन।
	Separate Sep

आज्ञा से ठिठाकी (अर्जुन सिंह) संयुक्त सचिव

पुनिविशियोग क बाद स्तम्य-। में बरकीण पनस्ति।				1198011	1108011	
युनीवित्रवार के बाद स्टाप्प-5 की कुल पनयी।	8		100 July 100	11390	11390	का उल्लंबन मही-मेना है। अग्रेप (सिंह)
क्षेचारीक क्षिम पनवारिः स्थानान्तरित किया जाना है	् 5 2216-जसपुर्त एका ककाई	्ठः—जसपुरि—कथवनगरि ५८५—शहरी जनपुरि कार्यकम	06-जारीय फाजन 04-अशीव विवृत्त देवको का उत्तराचन विवृत्त निगम को	স্থান - স্থান ক্রেডিন ক্রিনে ক্রিনের স্থান ক্রেডিন	11,280	मन्नोपित किया जाता है कि पुनीयोनेकोंग से बजट मैनुअल के प्यरंखोद 150,151,155,159 में छोरेलाबित सीमाओं का उल्लंबन नहीं मेता है नुजी की पुनीयोनेकोंग से बजट मैनुअल के प्यरंखोद 150,151,155,159 में छोरेलाबित सीमाओं का उल्लंबन नहीं मेता है
अवशेष(तरस्तरी)	100 P	120 m	SOUTH THE SAME		11300	के श्रम्भिन उद्भाव
कितीय को के अधीव अस्ति कुलाजित स्थ	63	The state of the s	The control of the co		1 1	है कि पुनीयनियंत से
भानक महत्त्वत अस्त्राविष्ठि विद्यति	1	APPROXIMENT OF	ACCOMPANIES OF THE PERSON OF T	CONTRACTOR OF	88611	प्रमाणित किया जाता
विवन्तक व्यक्तिक्ति-मुख्य महाप्रकार ज्यारावित जाव राख्य ५,४००६५५। प्रकासन्य विवास- पेर्यवन विभाग, ज्यारायोग वास्त्री । सन्य प्राधियान स्था संख्यातीयक		2215-जतपूरि तथा सम्बद्ध ० मन्त्रमधि सम्बद्धानम	101-गुड़ी चलजूरी फार्कडम 18-नःगय चेपनल	क्ष-नाक्षेत्र पंजयस्य गोजनानो कः इन्यटन पाण्यस्य शुद्धकेलाण क्षेत्र अनुदान	יסיי-פון אינייאי אינייאי אינייאי אינייאי אינייאי אינייאייאי אינייאייאי אינייאייאי	Orange

3560(क)सिरा अगु-3/2004 सिनाक २५ गर्च 2004 उद्दर्भवत् । शस्त संस्था देहन्यदून

फुरिनियोग स्वीकृत

्येठसीठिम्मा अपर शसिव क्रिय

中原

उत्तर्यक्त, देव ान महातरराकार

788 (१) / नी-2-() / 2004, द्या दिशके निम्नालिक्षेत को भूषनम्ने एंच आसम्पन्न जार्यवाही हेतू प्रीमेद — १-कोमक्षिकारी पेडचाडून । २ किंच अनुसम् २,कत्तवयन्त 4-किलानिकारी देडचाडून । ४ -हुष्ण म्हाप्रकृषक उत्तववाल, जल संस्थान्त देडचाडून । ASSER ASSER